यायावर साम्राज्य

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» यायावर साम्राज्य: एक विरोधाभासी अवधारणा

प्रश्न 1 (आसान). यायावर का सामान्य अर्थ क्या है?
उत्तर – घुमक्कड़ या खानाबदोश लोग।

प्रश्न 2 (आसान). साम्राज्य से आप क्या समझते हैं?
उत्तर – एक बड़े भू-भाग पर संगठित और स्थायी शासन।

प्रश्न 3 (मध्यम). किन लोगों ने 'यायावर साम्राज्य' की अवधारणा को संभव करके दिखाया?
उत्तर – मंगोलों ने।

प्रश्न 4 (कठिन). 'यायावर साम्राज्य: एक विरोधाभासी अवधारणा' का मुख्य बिंदु क्या है?
उत्तर – यह कि घुमक्कड़ लोग, जिनके पास आमतौर पर स्थायी ठिकाना नहीं होता, फिर भी एक विशाल और सुव्यवस्थित साम्राज्य का निर्माण कर सकते हैं, जैसा कि मंगोलों ने किया।

» मंगोलों के अध्ययन के स्रोत और चुनौतियाँ

प्रश्न 5 (आसान). मंगोलों के इतिहास को जानने के लिए हमें किन दो मुख्य प्रकार के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है?
उत्तर – इतिवृत्त और यात्रा-वृत्तांत।

प्रश्न 6 (आसान). मंगोलों के बारे में लिखने वाले बाहरी लेखकों की एक बड़ी कमी क्या थी?
उत्तर – उनके पूर्वाग्रह या अपूर्ण जानकारी।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर मंगोलों ने अपना कोई साहित्य नहीं लिखा, तो उनके बारे में जानकारी जुटाना इतिहासकारों के लिए चुनौतीपूर्ण क्यों हो जाता है?
उत्तर – क्योंकि उन्हें बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता है जिनमें अक्सर पूर्वाग्रह और भाषाई विसंगतियाँ होती हैं, जिससे सही तस्वीर बनाना कठिन होता है।

प्रश्न 8 (कठिन). कई भाषाओं में लिखे गए मंगोल स्रोतों का अध्ययन करते समय इतिहासकारों को 'वाघ्गमीमांसक' (philologist) की भूमिका क्यों निभानी पड़ती है?
उत्तर – क्योंकि एक ही मूलग्रंथ के भिन्न भाषाओं में अलग-अलग आशय हो सकते हैं, और उन्हें मंगोल भाषा के करीब के अर्थ निकालने के लिए भाषाई बारीकियों और संदर्भों को समझना होता है।

» मंगोलों की सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि

प्रश्न 9 (आसान). मंगोलों के प्रमुख पशु कौन से थे?
उत्तर – घोड़े और भेड़।

प्रश्न 10 (आसान). मंगोल लोग किस तरह की ज़मीन पर रहते थे?
उत्तर – मध्य एशिया की स्टेपीज़ (चारण भूमि) पर।

प्रश्न 11 (मध्यम). मंगोलों की अर्थव्यवस्था के लिए 'यायावरीकरण' का क्या अर्थ था?
उत्तर – यायावरीकरण का अर्थ था कि वे अपने पशुधन के साथ मौसम के अनुसार एक चरागाह से दूसरे चरागाह तक घूमते रहते थे, स्थायी रूप से एक जगह नहीं टिकते थे।

प्रश्न 12 (कठिन). मंगोलों और चीन के बीच संबंध व्यापारिक होने के साथ-साथ संघर्षपूर्ण क्यों रहते थे? कारण बताओ।
उत्तर – मंगोलों और चीन के बीच संबंध इसलिए संघर्षपूर्ण रहते थे क्योंकि दोनों पक्ष व्यापार में अधिक लाभ प्राप्त करने की होड़ में थे, और जब मंगोलों का जीवन अस्त-व्यस्त होता था तो वे लूटपाट करने लगते थे। चीन ने भी अपनी रक्षा के लिए दीवारें बनवाईं।

» चंगेज़ खान का उदय और प्रारंभिक जीवन

प्रश्न 13 (आसान). चंगेज़ खान का असली नाम क्या था?
उत्तर – तेमुजिन

प्रश्न 14 (आसान). चंगेज़ खान को 'सार्वभौम शासक' की उपाधि कब मिली?
उत्तर – 1206 ई. में

प्रश्न 15 (मध्यम). चंगेज़ खान के बचपन की दो मुख्य चुनौतियाँ क्या थीं?
उत्तर – उसके पिता की हत्या और खुद उसका दास बनना, साथ ही उसकी पत्नी बोरटे का अपहरण।

प्रश्न 16 (कठिन). तेमुजिन ने शुरुआती संघर्षों के बावजूद अपने दोस्त कैसे बनाए और उसका पहला दोस्त कौन था?
उत्तर – मुसीबत के समय भी उसने दोस्त बनाए, जैसे 'नवयुवक बोघूरचू उसका प्रथम-मित्र था'। उसने पुराने रिश्तों को फिर से जोड़ा, जैसे 'कैराईट लोगों के शासक व अपने पिता के वृद्ध सगे भाई तुगरिल उर्फ़ ओंग खान के साथ पुराने रिश्तों की पुनर्संथापना की'।

» चंगेज़ खान के सैन्य अभियान और विस्तार

प्रश्न 17 (आसान). चंगेज़ खान ने सबसे पहले कौन से बड़े साम्राज्य पर आक्रमण किया?
उत्तर – चीन

प्रश्न 18 (आसान). चंगेज़ खान के अभियानों में 'घुड़सवार सेना' की क्या भूमिका थी?
उत्तर – उसकी सेना की गतिशीलता का मुख्य आधार।

प्रश्न 19 (मध्यम). चंगेज़ खान की दो मुख्य सैन्य रणनीतियाँ क्या थीं?
उत्तर – तेज़ गति से आक्रमण करना (गतिशीलता) और शहरों को घेरकर 'घेराबंदी' करना।

प्रश्न 20 (कठिन). चंगेज़ खान के अभियानों का 'शहरों पर' क्या प्रभाव पड़ा? कोई दो प्रभाव बताओ।
उत्तर – शहरों का 'भयंकर विनाश' हुआ और 'जनसंख्या' में भारी कमी आई, लेकिन बाद में मंगोलों ने 'व्यापार मार्गों' को सुरक्षित करके 'आर्थिक गतिविधियों' को भी बढ़ावा दिया।

» मंगोल विनाश का आकलन और युद्ध-शैली

प्रश्न 21 (आसान). मंगोलों के आक्रमण से कौन से बड़े शहर सबसे ज़्यादा प्रभावित हुए?
उत्तर – निशापुर, हिरात और बगदाद।

प्रश्न 22 (आसान). मंगोलों की सेना की सबसे बड़ी खासियत क्या थी?
उत्तर – घुड़सवारी कौशल और गतिशीलता।

प्रश्न 23 (मध्यम). मंगोलों ने शहरों की घेराबंदी करने के लिए किन तकनीकों का इस्तेमाल किया?
उत्तर – घेराबंदी-यंत्र और नेफ्था बमबारी।

प्रश्न 24 (कठिन). चंगेज़ खान की युद्ध-शैली इतनी घातक क्यों मानी जाती थी? तीन प्रमुख कारण बताइए।
उत्तर – उनकी घुड़सवारी की गति, घोड़े पर बैठे हुए तीरंदाज़ी का अद्भुत कौशल और घेराबंदी तथा बमबारी की नई तकनीकों का इस्तेमाल।

» चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल साम्राज्य का विकास

प्रश्न 25 (आसान). चंगेज़ खान की मृत्यु के बाद मंगोल साम्राज्य के विस्तार का पहला चरण कब से कब तक था?
उत्तर – 1236 से 1242 तक।

प्रश्न 26 (आसान). दूसरे चरण (1255-1300) में मंगोलों ने किन प्रमुख क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की?
उत्तर – समस्त चीन, ईरान, इराक और सीरिया पर।

प्रश्न 27 (मध्यम). चंगेज़ खान के उपरांत मंगोल साम्राज्य की सीमाओं में स्थिरता आने के दो प्रमुख कारण क्या थे?
उत्तर – उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और तोलूयिद शाखा द्वारा जोची व ओगोदेई वंशों को कमजोर करना। मिस्र की सेनाओं से हार भी एक कारण था।

प्रश्न 28 (कठिन). मंगोलों का पश्चिम की ओर विस्तार रुक जाने के बावजूद चीन में उनके अभियान क्यों नहीं शिथिल हुए?
उत्तर – पश्चिम में आंतरिक झगड़ों और बाहरी हार के कारण विस्तार धीमा पड़ा, लेकिन चंगेज़ खान के वंशजों ने अपने हितों को चीन की ओर स्थानांतरित कर दिया और वहाँ एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया।

» मंगोलों का सामाजिक, राजनीतिक और सैनिक संगठन

प्रश्न 29 (आसान). मंगोल सेना में 10,000 सैनिकों की इकाई को क्या कहते थे?
उत्तर – तुमन

प्रश्न 30 (आसान). मंगोलों की संचार प्रणाली का क्या नाम था?
उत्तर – याम

प्रश्न 31 (मध्यम). 'उलुस' की अवधारणा का प्रारंभिक अर्थ क्या था और यह कैसे विकसित हुई?
उत्तर – प्रारंभ में 'उलुस' का अर्थ निश्चित भूभाग नहीं था, बल्कि वो क्षेत्र जहाँ तक मंगोल सेना पहुँच सकती थी। यह चंगेज़ खान द्वारा अपने बेटों को दिए गए क्षेत्रों के रूप में विकसित हुई, जहाँ वे शासन करते थे।

प्रश्न 32 (कठिन). चंगेज़ खान ने मंगोलों की पुरानी जनजातीय व्यवस्था में क्या प्रमुख परिवर्तन किए और उनका क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर – चंगेज़ खान ने पुरानी जनजातीय व्यवस्था को समाप्त करके लोगों को नई सैनिक इकाइयों में बांटा। इसका प्रभाव यह हुआ कि सैनिकों की वफादारी अपने कबीलों से हटकर सीधे मंगोल साम्राज्य और चंगेज़ खान के प्रति हो गई, जिससे साम्राज्य में एकता और अनुशासन बढ़ा।

» यायावर और स्थानबद्ध समाजों के बीच संबंध

प्रश्न 33 (आसान). शुरुआत में मंगोल शासकों ने उत्तरी चीन के किसानों के प्रति क्या विचार रखा?
उत्तर – उन्हें मार कर कृषि-भूमि को चरागाह में बदलने का।

प्रश्न 34 (आसान). कुबलई खान को 'कृषकों और नगरों के रक्षक' क्यों कहा गया?
उत्तर – क्योंकि उसने दक्षिण चीन के कृषक समाजों को लूटना बंद करके उनकी रक्षा की।

प्रश्न 35 (मध्यम). गज़ान खान ने अपने सेनापतियों को किसानों के बारे में क्या आदेश दिया और क्यों?
उत्तर – उसने उन्हें किसानों को न लूटने का आदेश दिया, क्योंकि उसका मानना था कि ऐसा करने से 'राज्य में स्थायित्व और समृद्धि नहीं आती'।

प्रश्न 36 (कठिन). मंगोल साम्राज्य के भीतर यायावर और स्थानबद्ध समाजों के बीच संबंधों में आए बदलावों का क्या महत्व था?
उत्तर – इन बदलावों ने मंगोलों को केवल एक हमलावर शक्ति से एक शासक शक्ति में परिवर्तित किया। उन्होंने समझा कि एक स्थिर और समृद्ध साम्राज्य के लिए स्थानबद्ध कृषकों का सहयोग और उनकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है, जिससे 'राज्य में स्थायित्व और समृद्धि' बनी रहे।

» गज़ान खान का भाषण और प्रशासनिक नीतियाँ

प्रश्न 37 (आसान). गज़ान खान ने अपने भाषण में किस वर्ग की रक्षा पर जोर दिया?
उत्तर – गज़ान खान ने अपने भाषण में 'कृषक वर्ग' (किसानों) की रक्षा पर जोर दिया।

प्रश्न 38 (आसान). मंगोलों ने विजित राज्यों से किसे भर्ती किया था ताकि प्रशासन में मदद मिले?
उत्तर – मंगोलों ने विजित राज्यों से 'नागरिक प्रशासकों' (civil administrators) को भर्ती किया था।

प्रश्न 39 (मध्यम). गज़ान खान ने अपने सेनापतियों को 'तर्क और बुद्धि से काम लेना' क्यों सिखाना चाहा?
उत्तर – गज़ान खान ने अपने सेनापतियों को 'तर्क और बुद्धि से काम लेना' इसलिए सिखाना चाहा ताकि वे यह समझ सकें कि किसानों को लूटने से भविष्य में अनाज और भोजन की कमी होगी, जिससे साम्राज्य की स्थिरता को खतरा होगा। वह चाहता था कि वे दूरगामी परिणाम सोचें और स्थायी आय के लिए किसानों की रक्षा करें।

प्रश्न 40 (कठिन). गज़ान खान के समय मंगोल साम्राज्य में जो बदलाव आए, उनमें उसके भाषण और प्रशासनिक नीतियों का क्या महत्व था?
उत्तर – गज़ान खान के भाषण और प्रशासनिक नीतियों ने मंगोल साम्राज्य में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाया, जहां लूटपाट और खानाबदोश प्रवृत्ति से हटकर एक स्थायी, कृषि-आधारित प्रशासन की ओर कदम बढ़ाए गए। उसके भाषण ने किसानों की रक्षा को केंद्रीय मुद्दा बनाया, जबकि नागरिक प्रशासकों की भर्ती ने विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले राज्यों को संगठित करने और स्थानीय लोगों पर मंगोलों की लूटमार की 'धार कम' करने में मदद की। इससे साम्राज्य को स्थायी आय मिली और विद्रोह कम हुए, जिससे साम्राज्य को 'स्थायित्व और समृद्धि' मिली।

» मंगोल वंशों का पृथक्करण और 'यास' की अवधारणा

प्रश्न 41 (आसान). मंगोल वंशों में से चीन में कौन सा वंश स्थापित हुआ?
उत्तर – युआन वंश

प्रश्न 42 (आसान). शुरुआत में 'यास' को क्या कहा जाता था और इसका क्या अर्थ था?
उत्तर – 'यसाक', जिसका अर्थ 'विधि, आज्ञप्ति व आदेश' था।

प्रश्न 43 (मध्यम). 'यास' ने चंगेज़ खान के वंशजों को एकजुट रखने में कैसे मदद की?
उत्तर – 'यास' ने उन्हें एक साझा पहचान, एक पवित्र नियम-संहिता और चंगेज़ खान की विरासत से जोड़ा, जिससे अलग-अलग वंशों के बावजूद वे मंगोल के रूप में एकजुट रहे।

प्रश्न 44 (कठिन). 'यास' की अवधारणा ने मंगोलों को एक 'बहु-जातीय, बहु-भाषी, बहु-धर्मिक' साम्राज्य पर शासन करने में कैसे सहायता की?
उत्तर – 'यास' ने मंगोलों को अपनी विशिष्ट कबीलाई और सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में मदद की, जिससे वे संख्या में अल्पसंख्यक होने के बावजूद विजित लोगों पर अपनी सत्ता स्थापित कर पाए और उन्हें अपनी विरासत पर आधारित एक सामान्य कानून व्यवस्था प्रदान कर पाए।

» चंगेज़ खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में स्थान

प्रश्न 45 (आसान). चीन और पूर्वी यूरोप के लोग चंगेज़ खान को किस दृष्टि से देखते थे?
उत्तर – भय और घृणा की दृष्टि से।

प्रश्न 46 (आसान). मंगोलों के लिए चंगेज़ खान कैसे शासक थे?
उत्तर – वे अब तक के सबसे महान शासक थे, जिन्होंने मंगोलों को संगठित किया।

प्रश्न 47 (मध्यम). मंगोल साम्राज्य को 'बहु-जातीय, बहु-भाषी, बहु-धार्मिक' क्यों कहा जाता था?
उत्तर – क्योंकि इसमें विभिन्न जातियों, भाषाओं और धर्मों के लोग शामिल थे, और शासकों ने किसी पर अपना धर्म नहीं थोपा।

प्रश्न 48 (कठिन). चंगेज़ खान के 'परस्पर विरोधी चित्रों' का क्या अर्थ है और वे हमें क्या सोचने पर मजबूर करते हैं?
उत्तर – इसका अर्थ है कि उन्हें एक ही समय में क्रूर विध्वंसक और महान राष्ट्र-निर्माता दोनों के रूप में देखा जाता है। यह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि कैसे एक ही व्यक्ति के बारे में अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं, और कैसे इतिहास को देखने का हमारा नज़रिया ही उसकी व्याख्या तय करता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. प्रश्न: 'यायावर साम्राज्य' की अवधारणा को एक विरोधाभासी अवधारणा क्यों कहा जाता है?

› स्टेप 1: 'यायावर' शब्द का अर्थ समझो। इसका अर्थ है 'घुमक्कड़' या 'खानाबदोश', जो लोग एक जगह पर स्थायी रूप से नहीं रहते।

› स्टेप 2: 'साम्राज्य' शब्द का अर्थ समझो। इसका अर्थ है एक विशाल, स्थायी भू-भाग पर संगठित और सुव्यवस्थित शासन प्रणाली, जिसमें एक केंद्रीय सत्ता होती है।

› स्टेप 3: इन दोनों अर्थों की तुलना करो। 'घुमक्कड़' होने का मतलब है अस्थिरता और गतिशीलता, जबकि 'साम्राज्य' का मतलब है स्थिरता और संगठन।

› स्टेप 4: निष्कर्ष निकालो। चूंकि ये दोनों शब्द विपरीत गुणों को दर्शाते हैं (एक अस्थिरता और दूसरा स्थिरता), इसलिए 'यायावर साम्राज्य' एक 'विरोधाभासी अवधारणा' मानी जाती है।

उत्तर – यायावर शब्द 'घुमक्कड़' और अस्थिरता को दर्शाता है, जबकि साम्राज्य 'स्थिर' और 'संगठित' शासन का प्रतीक है। ये दोनों गुण एक-दूसरे के विपरीत हैं, इसलिए 'यायावर साम्राज्य' एक विरोधाभासी अवधारणा है।

उदाहरण 2. मंगोलों के इतिहास को समझने में यात्रा-वृत्तांतों की क्या भूमिका थी और उनमें क्या प्रमुख चुनौती थी?

› पहला कदम: हमें याद करना है कि मंगोलों ने अपना साहित्य कम लिखा, तो यात्रा-वृत्तांत यानी यात्रियों द्वारा लिखी गई कहानियाँ महत्वपूर्ण बन गईं। 'इन लेखकों की यायावरों वेफ जीवन-संबंध्ी सूचनाएँ अज्ञात और पूर्वाग्रहों से ग्रस्त हैं।'

› दूसरा कदम: अब चुनौती को समझना है। यात्रा-वृत्तांत लिखने वाले अक्सर बाहरी लोग थे, जो मंगोलों के जीवन और संस्कृति को पूरी तरह नहीं समझते थे। इसलिए, उनकी बातों में अक्सर 'पूर्वाग्रह' (यानी पहले से बनी हुई राय) या गलतफहमी हो सकती थी।

› तीसरा कदम: एक और चुनौती यह थी कि ये वृत्तांत कई भाषाओं में लिखे गए थे, और कभी-कभी एक ही घटना को अलग-अलग भाषाओं में अलग ढंग से पेश किया गया होता था, जिससे इतिहासकारों को सही अर्थ निकालना मुश्किल होता था।

उत्तर – यात्रा-वृत्तांत मंगोलों के इतिहास के महत्वपूर्ण स्रोत थे क्योंकि मंगोलों ने खुद बहुत कम लिखा। हालाँकि, इनकी मुख्य चुनौती यह थी कि इनमें लिखने वालों के पूर्वाग्रह शामिल होते थे और भाषाई अंतर के कारण एक ही घटना के अलग-अलग विवरण मिलते थे।

उदाहरण 3. मंगोलों के जीवनयापन के मुख्य साधन क्या थे और वे कहाँ रहते थे?

› पहला कदम, हम पाठ से देखेंगे कि उनकी आजीविका के बारे में क्या बताया गया है. 'कुछ मंगोल पशुपालक थे और कुछ शिकारी संग्राहक थे।' यह हमें उनकी आजीविका के बारे में बताता है.

› दूसरा कदम, उनके निवास स्थान पर ध्यान देंगे. 'उनका यायावरीकरण मध्य एशिया की चारण भूमि (स्टेपीज) में हुआ जो आज के आधुनिक मंगोलिया राज्य का भूभाग है।' यह उनके रहने की जगह है.

› तीसरा कदम, इन दोनों जानकारियों को एक साथ करके पूरा जवाब देंगे.

उत्तर – मंगोलों के जीवनयापन के मुख्य साधन पशुपालन (घोड़े, भेड़ आदि) और शिकार-संग्रह थे। वे मुख्य रूप से मध्य एशिया की चारण भूमि (स्टेपीज), जो आज के मंगोलिया में है, वहाँ रहते थे।

उदाहरण 4. चंगेज़ खान का प्रारंभिक जीवन कठिनाइयों से भरा क्यों था? कोई दो प्रमुख कारण बताओ।

› पहला कारण यह था कि 'उसके पिता की अल्पायु में ही हत्या कर दी गई थी'। इससे परिवार को बहुत मुश्किलें हुईं और तेमुजिन को कम उम्र में ही संघर्ष करना पड़ा।

› दूसरा बड़ा कारण यह था कि 'तेमुजिन का अपहरण कर उसे दास बना लिया गया था' और 'उसकी पत्नी बोरटे का भी विवाह के उपरांत अपहरण कर लिया गया'। इन घटनाओं ने उसे व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर बहुत परेशान किया।

उत्तर – चंगेज़ खान का प्रारंभिक जीवन कठिनाइयों से भरा था क्योंकि उसके पिता की कम उम्र में हत्या कर दी गई थी और उसे खुद अपहरण करके दास बना लिया गया था। साथ ही उसकी पत्नी का भी अपहरण कर लिया गया था, जिसे छुड़ाने के लिए उसे लड़ना पड़ा।

उदाहरण 5. चंगेज़ खान के मध्य एशिया अभियान का मुख्य उद्देश्य क्या था?

› सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि चंगेज़ खान क्यों 'मध्य एशिया' की तरफ बढ़ा।

› उसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य 'व्यापार मार्ग' पर नियंत्रण हासिल करना था, खासकर सिल्क रूट पर, ताकि उसे आर्थिक फायदा हो।

› दूसरा कारण 'ख्वारिज्म साम्राज्य' के शासक से दुश्मनी थी, जिसने मंगोल दूतों और व्यापारियों को मार दिया था। इसे चंगेज़ खान ने अपने अपमान के रूप में लिया और 'बदला लेने' के लिए आक्रमण किया।

उत्तर – चंगेज़ खान के मध्य एशिया अभियान का मुख्य उद्देश्य 'व्यापार मार्गों' पर नियंत्रण करना और 'ख्वारिज्म साम्राज्य' के शासक द्वारा मंगोल दूतों और व्यापारियों की हत्या का 'बदला लेना' था।

उदाहरण 6. चंगेज़ खान के अभियानों में हुए विनाश के पैमाने और मंगोलों की प्रभावी युद्ध-शैली को विस्तार से समझाइए।

› पहले हम 'विनाश के पैमाने' पर बात करेंगे। मंगोलों ने उन शहरों को बेरहमी से तबाह किया जिन्होंने उनका प्रभुत्व स्वीकार नहीं किया।

› उदाहरण के लिए, 'निशापुर' में '17,47,000' लोगों की हत्या, 'हिरात' में '16,00,000' और 'बगदाद' में '8,00,000' लोगों का नरसंहार किया गया। छोटे शहर जैसे 'नासा' में भी '70,000' लोग मारे गए।

› फिर हम 'प्रभावी युद्ध-शैली' पर आते हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत 'घोड़ों पर सवार होकर तेज गति' से चलना था।

› वे 'तीरंदाज़ी' में भी माहिर थे, जिसका अभ्यास वे रोज़ शिकार करते हुए करते थे।

› मंगोल सेना 'बर्फीली नदियों' को राजमार्गों की तरह इस्तेमाल करती थी ताकि सर्दियों में भी तेज़ी से आगे बढ़ सके।

› अंत में, उन्होंने 'घेराबंदी-यंत्र' और 'नेफ्था बमबारी' जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया, जिससे वे मज़बूत किलों और शहरों को भी आसानी से भेद पाते थे।

उत्तर – चंगेज़ खान के अभियानों में भारी विनाश हुआ, जहाँ लाखों लोगों को मौत के घाट उतारा गया, खासकर उन शहरों में जिन्होंने विरोध किया। उनकी युद्ध-शैली घुड़सवारी में अद्भुत कौशल, तेज़ गतिशीलता, सटीक तीरंदाज़ी, घेराबंदी-यंत्रों का प्रयोग और कठिन मौसम में भी युद्ध करने की क्षमता के कारण अत्यधिक प्रभावी थी।

उदाहरण 7. चंगेज़ खान की मृत्यु के बाद मंगोल साम्राज्य के विस्तार के मुख्य दो चरणों की पहचान कीजिए और बताइए कि उनके बाद साम्राज्य की सीमाओं में स्थिरता क्यों आई?

› पहला चरण (1236-1242) में रूस के स्टेपी-क्षेत्रों, बुलघार, कीव, पोलैंड और हंगरी पर विजय प्राप्त की गई।

› दूसरा चरण (1255-1300) में समस्त चीन (सन् 1279), ईरान, इराक और सीरिया पर विजय प्राप्त की गई।

› साम्राज्य की सीमाओं में स्थिरता आने के दो मुख्य कारण थे: पहला, मंगोल परिवार में उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक राजनीतिक संघर्ष बढ़ गया था।

› दूसरा, तोलूयिद शाखा के उत्तराधिकारियों ने जोची और ओगोदेई वंशों को कमजोर कर दिया, जिससे बाहरी अभियानों की जगह आंतरिक हितों पर ध्यान केंद्रित हो गया।

उत्तर – चंगेज़ खान के बाद मंगोल साम्राज्य के विस्तार के दो मुख्य चरण थे: पहला (1236-1242) जब रूस, पोलैंड, हंगरी आदि को जीता गया, और दूसरा (1255-1300) जब चीन, ईरान, इराक, सीरिया पर विजय प्राप्त की गई। सीमाओं में स्थिरता मुख्य रूप से उत्तराधिकार को लेकर आंतरिक संघर्ष और मिस्र जैसी बाहरी शक्तियों से हार के कारण आई।

उदाहरण 8. मंगोलों ने अपनी सेना को किस प्रणाली के आधार पर संगठित किया था और इसका मुख्य उद्देश्य क्या था?

› सबसे पहले, मंगोलों ने अपनी सेना को 'दशमलव प्रणाली' (Decimal System) पर संगठित किया था।

› इस प्रणाली में सेना को 10, 100, 1000 और 10,000 सैनिकों की इकाइयों में बांटा गया था। सबसे बड़ी इकाई 'तुमन' कहलाती थी जिसमें दस हज़ार सैनिक होते थे।

› इसका मुख्य उद्देश्य 'विभिन्न जनजातीय समूहों की पहचान को योजनाबद्ध रूप से मिटाना' था।

› चंगेज़ खान ने 'प्राचीन जनजातीय समूहों को विभाजित कर उनके सदस्यों को नवीन सैनिक इकाइयों में विभक्त कर दिया' ताकि सैनिकों की वफादारी केवल अपने कबीले या कुल तक सीमित न रहकर पूरे मंगोल साम्राज्य के प्रति हो जाए।

› इस संगठन से सेना में एकता और अनुशासन बढ़ा, जिससे वे अपने अभियानों में अधिक सफल हुए।

उत्तर – मंगोलों ने अपनी सेना को दशमलव प्रणाली के आधार पर संगठित किया, जिसमें सेना को 10, 100, 1000 और 10,000 सैनिकों की इकाइयों में बांटा गया था। इसका मुख्य उद्देश्य पुरानी जनजातीय पहचानों को समाप्त करके सैनिकों की वफादारी को पूरे मंगोल साम्राज्य के प्रति सुनिश्चित करना और उनमें एकता व अनुशासन बढ़ाना था।

उदाहरण 9. मंगोल शासकों ने उत्तरी चीन और दक्षिणी चीन के कृषक समाजों के प्रति अलग-अलग नीतियाँ क्यों अपनाईं?

› पहला कदम: '1230 के दशक में जब मंगोलों ने उत्तरी चीन के चिन वंश के विरुद्ध युद्ध में सफलता प्राप्त की' – तो मंगोल नेताओं ने सोचा कि सारे किसानों को मार दिया जाए और उनकी 'कृषि-भूमि को चरागाह में परिवर्तित कर दिया जाए'।

› दूसरा कदम: यहाँ मंगोलों का शुरुआती 'यायावर' स्वभाव दिख रहा है – वो खेती को नहीं समझते थे और अपनी पशुपालन की ज़रूरत के हिसाब से ज़मीन चाहते थे।

› तीसरा कदम: 'परंतु 1270 के दशक के आते-आते शुंग वंश की पराजय के उपरांत दक्षिण चीन को मंगोल साम्राज्य में सम्मिलित कर लिया गया।' – अब 'चंगेज़ खान का पोता कुबलई खान' सामने आया।

› चौथा कदम: 'वह कृषकों और नगरों के रक्षक के रूप में उभरा।' – इसका मतलब है कि इतने बड़े कृषि प्रधान क्षेत्र को लूटने या नष्ट करने से साम्राज्य को ही नुकसान होता। कुबलई खान ने समझा कि किसानों की रक्षा करके ही साम्राज्य को स्थिरता और धन मिलेगा।

› पांचवां कदम: 'गज़ान खान... ने अपने परिवार के सदस्यों और अन्य सेनापतियों को आगाह कर दिया था कि वे कृषकों को न लूटें।' – उसने कहा 'ऐसा करने से राज्य में स्थायित्व और समृद्धि नहीं आती।' मतलब, समय के साथ मंगोल शासकों ने महसूस किया कि सिर्फ़ लूटने से काम नहीं चलेगा, बल्कि 'स्थायित्व' और 'समृद्धि' के लिए किसानों को बचाना और उनकी खेती को बढ़ावा देना ज़रूरी है।

उत्तर – उत्तरी चीन पर विजय के समय, मंगोलों का यायावर स्वभाव हावी था, और वे कृषि भूमि को चरागाह में बदलना चाहते थे। लेकिन दक्षिण चीन को जीतने के बाद, कुबलई खान और गज़ान खान जैसे शासकों ने कृषि के महत्व को समझा और किसानों की रक्षा कर साम्राज्य में स्थिरता व समृद्धि लाने की नीति अपनाई, क्योंकि उन्हें पता चला कि 'ऐसा करने से राज्य में स्थायित्व और समृद्धि नहीं आती' अगर किसान लूटे जाएं।

उदाहरण 10. गज़ान खान के भाषण का मुख्य उद्देश्य क्या था और उसने अपनी प्रशासनिक नीतियों में इसे कैसे दर्शाया?

› पहला कदम: गज़ान खान का भाषण पढ़ना और समझना। भाषण में वह किसानों की सुरक्षा और उनके द्वारा पैदा किए गए अनाज के महत्व पर जोर देता है। वह सेनापतियों को चेतावनी देता है कि किसानों को लूटने से भविष्य में अन्न की कमी होगी।

› दूसरा कदम: यह समझना कि गज़ान खान क्यों चाहता था कि किसान सुरक्षित रहें। इसका कारण यह था कि एक स्थायी और समृद्ध साम्राज्य के लिए किसानों से नियमित रूप से कर (टैक्स) लेना ज़रूरी था, न कि उन्हें बार-बार लूटकर बर्बाद करना।

› तीसरा कदम: उसकी प्रशासनिक नीतियों का विश्लेषण करना। उसने विजित (जीते हुए) राज्यों से नागरिक प्रशासकों (civil administrators) को भर्ती किया। इन प्रशासकों का काम था स्थानीय लोगों और मंगोलों के बीच तालमेल बिठाना, कर इकट्ठा करना और लूटमार को कम करना।

› चौथा कदम: यह देखना कि ये नीतियां कैसे उसके भाषण के उद्देश्य को पूरा करती हैं। नागरिक प्रशासकों की भर्ती से स्थानीय समाज में स्थिरता आई, किसानों पर होने वाली ज्यादतियां कम हुईं, जिससे साम्राज्य की आय भी स्थायी हुई। यह सीधे तौर पर किसानों की रक्षा के उसके संदेश से जुड़ा था।

उत्तर – गज़ान खान के भाषण का मुख्य उद्देश्य अपने मंगोल सेनापतियों को किसानों की लूटपाट से रोकना और उन्हें कृषि

आधारित अर्थव्यवस्था का महत्व समझाना था, ताकि साम्राज्य को एक स्थायी आय मिल सके। उसने अपनी प्रशासनिक नीतियों में इसे दर्शाने के लिए विजित राज्यों से कुशल नागरिक प्रशासकों की भर्ती की, जिन्होंने किसानों की रक्षा की और एक संगठित कर प्रणाली स्थापित की, जिससे साम्राज्य में स्थिरता और समृद्धि आई।

उदाहरण 11. तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक यास का अर्थ कैसे बदला और इसने मंगोलों को कैसे प्रभावित किया?

› पहले 'यास' को 'यसाक' कहा जाता था, जिसका अर्थ था 'विधि, आज्ञप्ति व आदेश'। यह मुख्य रूप से प्रशासनिक नियमों से संबंधित था, जैसे 'आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन'।

› तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक, मंगोलों ने 'यास' शब्द का प्रयोग अधिक सामान्य रूप में करना शुरू कर दिया। इसका अर्थ 'चंगेज़ खान की विधि-संहिता' बन गया।

› इसने मंगोलों को एक एकीकृत पहचान दी, 'समान आस्था रखने वालों के आधार पर संयुक्त' किया।

› यास ने मंगोलों को 'अपनी कबीलाई पहचान बनाए रखने' और विजित लोगों पर 'अपने नियमों को लागू करने का आत्म-विश्वास' दिया, क्योंकि यह चंगेज़ खान की पवित्र विरासत मानी जाती थी।

उत्तर – तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक 'यास' का अर्थ प्रशासनिक नियमों से बढ़कर चंगेज़ खान की एक पवित्र विधि-संहिता बन गया। इसने मंगोलों को एक एकीकृत पहचान दी, उनकी कबीलाई परंपराओं को वैधता प्रदान की और उन्हें विजित क्षेत्रों पर शासन करने का आत्म-विश्वास दिया, जिससे अलग-अलग वंशों के बावजूद वे एकजुट रहे।

उदाहरण 12. चंगेज़ खान और मंगोल साम्राज्य को विश्व इतिहास में एक 'असाधारण' स्थान क्यों प्राप्त है?

› पहला, चंगेज़ खान के विरोधाभासी व्यक्तित्व को समझो: वे केवल विजेता और विध्वंसक नहीं थे, बल्कि उन्होंने मंगोलों को एकजुट किया, कबीलाई लड़ाइयों से मुक्ति दिलाई और व्यापार मार्ग खोले।

› दूसरा, मंगोल साम्राज्य की प्रकृति को देखो: यह 'बहु-जातीय, बहु-भाषी और बहु-धार्मिक' था। शासकों ने अपनी व्यक्तिगत धार्मिक मान्यताओं को सार्वजनिक नीतियों पर नहीं थोपा।

› तीसरा, उन्होंने सभी धर्मों और जातियों के लोगों को प्रशासन और सेना में शामिल किया, जो उस समय के हिसाब से बहुत अनोखी बात थी।

› चौथा, इस समावेशी नीति ने उन्हें एक विशाल और स्थायी साम्राज्य बनाने में मदद की, जिसने बाद की शासन प्रणालियों (जैसे मुगल) के लिए एक आदर्श प्रस्तुत किया।

उत्तर – चंगेज़ खान ने मंगोलों को संगठित कर एक शक्तिशाली साम्राज्य बनाया, व्यापार को बढ़ावा दिया। मंगोल साम्राज्य का 'बहु-जातीय, बहु-भाषी और बहु-धार्मिक' स्वरूप, जहाँ शासकों ने अपने व्यक्तिगत धर्म को नहीं थोपा और सभी को प्रशासन में शामिल किया, उसे विश्व इतिहास में एक असाधारण और अद्वितीय स्थान दिलाता है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह प्रश्न अक्सर 3-5 अंकों में पूछा जाता है कि 'यायावर साम्राज्य' एक विरोधाभासी अवधारणा क्यों है, इसलिए इसकी परिभाषा और विरोधाभास को अच्छे से समझना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर मंगोलों के इतिहास को समझने में आने वाली चुनौतियों पर सीधे प्रश्न पूछता है, इसलिए पूर्वाग्रह और भाषाई बाधाओं पर ध्यान देना।

• चंगेज़ खान के प्रारंभिक जीवन की घटनाओं और 1206 ई. में उसे मिली उपाधि को याद रखना बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं।

• चंगेज़ खान की सैन्य रणनीतियों और उसके अभियानों के 'प्रभावों' पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं, इन्हें अच्छे से समझना।

• चंगेज़ खान के अभियानों के 'विनाश' और 'युद्ध-शैली' पर अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं। मृतकों की संख्या के कुछ आंकड़े और युद्ध-शैली की प्रमुख बातें, जैसे 'घुड़सवारी' और 'घेराबंदी-यंत्र', याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह प्रश्न 'चंगेज़ खान की मृत्यु के पश्चात मंगोल साम्राज्य' के विस्तार और स्थिरता के कारणों पर अक्सर आता है, खासकर 'उत्तराधिकार संघर्ष' और 'दो चरणों' का उल्लेख करना महत्वपूर्ण है।

• चंगेज़ खान द्वारा 'सामाजिक और सैनिक संगठन' में किए गए परिवर्तनों और 'याम' प्रणाली पर अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं, इन्हें अच्छे से समझ लेना।

• यह सवाल बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि मंगोलों का 'स्थानबद्ध' समाजों के प्रति दृष्टिकोण कैसे बदला, खासकर कुबलई खान और गज़ान खान के उदाहरण देकर समझाना।

• गज़ान खान के भाषण के मुख्य बिंदुओं और नागरिक प्रशासकों की भूमिका पर प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं, इन्हें ध्यान से पढ़ें।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'यास' की परिभाषा, उसके बदलते अर्थ और मंगोलों को एकजुट रखने में उसकी भूमिका पर अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं। इसे अच्छे से तैयार कर लेना।

• चंगेज़ खान के विरोधाभासी व्यक्तित्व और मंगोल साम्राज्य की 'बहु-जातीय, बहु-भाषी, बहु-धार्मिक' प्रकृति पर आधारित प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षा में आते हैं। इन दोनों पहलुओं को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› यायावर साम्राज्य: घुमक्कड़ लोगों द्वारा स्थापित विशाल, संगठित राज्य (मंगोल)।
› मंगोल इतिहास स्रोत: इतिवृत्त, यात्रा-वृत्तांत। चुनौतियाँ: पूर्वाग्रह, भाषाई अंतर।
› तेमुजिन (चंगेज़ खान) का संघर्षपूर्ण बचपन; कबीलों को एकजुट कर 1206 में 'सार्वभौम शासक' बना।
› चंगेज़ खान ने चीन, मध्य एशिया में सैन्य अभियान चलाकर साम्राज्य विस्तार किया।
› मंगोल अभियानों में लाखों का विनाश; युद्ध-शैली = घुड़सवारी, तीरंदाज़ी, घेराबंदी, गतिशीलता।
› चंगेज़ खान के बाद दो विस्तार चरण; आंतरिक संघर्ष व मिस्र से हार ने विस्तार रोका; चीन का एकीकरण।
› मंगोलों का सैनिक (दशमलव, तुमन), सामाजिक (नया अभिजात वर्ग), राजनीतिक (उलुस), संचार (याम) संगठन।
› यायावर-स्थानबद्ध संबंध: शुरुआती टकराव से कृषि रक्षा नीति तक विकास।
› गज़ान खान का भाषण: किसानों की रक्षा; नागरिक प्रशासक: साम्राज्य स्थिरता हेतु।
› चंगेज़ खान के वंशज अलग हुए, पर 'यास' (विधि-संहिता) ने उन्हें एकजुट रखा।
› चंगेज़ खान: विजेता/विध्वंसक और राष्ट्र-निर्माता। मंगोल साम्राज्य: बहु-जातीय, सहिष्णु शासन।